

॥ अंतरी पेटवू ज्ञान ज्योत ॥

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव



Choice Based Credit System  
शैक्षणिक वर्ष जून 2022-23 पासून लागू

मानव्यविज्ञान विद्याशाखा अंतर्गत प्रथम वर्ष कला

F.Y.B.A.

पाली (Pali General)

(Pattern-60-40)

प्रथम सत्र

(Semester – I)

Paper Name- PAL-G-101 पालि पुष्फं

Paper Code- 3112213811

Faculty Code (FC)-38

व

द्वितीय सत्र

(Semester – II)

Paper Name- PAL-G-111 पालि पुष्फं

Paper Code- 3112223821

Faculty Code (FC)-38

पाली जनरल (Pali General)  
(Pattern-60-40)

| Semester | Title of the paper & paper code                 | Credits (Per Semester 3) | Lectures (each lecture of 60 mins.) |
|----------|---|--------------------------|-------------------------------------|
| I        | PAL-G-101 पालि पुष्फं<br>Paper Code- 3112213811 | 3                        | 45                                  |
| II       | PAL-G-111 पालि पुष्फं<br>Paper Code- 3112223821 | 3                        | 45                                  |

प्रथम सत्र  
Semester-I

PAL-G-101 पालि पुष्फं  
Paper Code- 3112213811

पुस्तक- खुद्दकनिकाय;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५

अंतर्गत मूल्यमापन

- ◆ प्रत्येक विद्यार्थ्यांचे मूल्यमापन एकूण शंभर गुणांमध्ये होईल. त्यामध्ये साठ(६०) गुणांची विद्यापीठ परीक्षा होईल तर
- ◆ अंतर्गत मूल्यमापन हे ४० गुणांचे असेल.

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्ट्ये :-

- ❖ सदर अभ्यासक्रम पद्य व गद्य या वाङ्मयप्रकाराची ओळख करुन देणारा असून त्यासोबतच लेखन, वाचन, मनन, चिंतन, संवाद इत्यादी कौशल्यांचा परिचय करुन देणारा आहे.
- ❖ सदाचारी मन व दुराचारी मनाची विद्यार्थ्यांना ओळख करुन देणे व त्याचे विश्लेषण करुन ते स्पष्ट करणे.
- ❖ सील,समाधि पञ्जाची विद्यार्थ्यांना ओळख करुन देणे व त्याचे विश्लेषण करुन तो स्पष्ट करणे.
- ❖ त्याग, संयम, सदाचार, नीती, मानवता इत्यादी सद्गुणांची वृद्धि करण्यास विद्यार्थ्यांना प्रोत्साहन देणे
- ❖ विद्यार्थ्यांच्या मानस पटलावरुन अज्ञान, अंधश्रद्धां, अफवा इत्यादिना दूर करणे व त्यांच्यामध्ये विज्ञानवादाचे बीजारोपण करणे.

घटक विश्लेषण- एकूण श्रेयांक (Total Credit) =03

| अ.क्र. (Sr. No.)   | घटक (Unit)   | श्रेयांक(Credit)<br>= 3 | घड्याळी तासिका<br>(Clock hour) = 45 |
|--|--|-------------------------|-------------------------------------|
|  | <b>Text</b>  |                         |                                     |
| १  | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ यमकवगो</li> <li>■ ससजातक</li> <li>■ किसागोतमीथेरीगाथा</li> <li>■ दससिक्खापदं</li> <li>■ सीलविमंसनजातक</li> </ul>                  |                         |                                     |
|  | <b>Grammar</b>   |                         |                                     |
| २  | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ स्वर व स्वरांचे प्रकार</li> <li>■ व्यञ्जन व व्यञ्जांचे प्रकार</li> <li>■ सन्धि व सन्धिचे प्रकार</li> </ul>                        |                         |                                     |
|  | <b>Introduction</b>  |                         |                                     |
| ३  | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ पठमधम्मसङ्गिती</li> <li>■ दुतियधम्मसङ्गिती</li> <li>■ ततियधम्मसङ्गिती</li> <li>■ सील</li> <li>■ समाधि</li> <li>■ पञ्जा</li> </ul> |                         |                                     |
| एकूण श्रेयांक (Total Credit) व घड्याळी तासिका (Clock hour) |  | ३                       | ४५                                  |

## संदर्भ ग्रंथ:-

- ◆ गोयंका, स.ना.;थेरीगाथापालि;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ गोयंका, स.ना.; धम्मपदपालि;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ गोयंका, स.ना.;विसुद्धिमग्गो;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ उपाध्याय भरतसिंह.;पालि साहित्य का इतिहास;हिन्दि साहित्य सम्मेलन, प्रयाग १९९४
- ◆ गोयंका, स.ना.;जातक;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ बालावतार; पालिव्याकरण; बौद्धभारती प्रकाशन, वाराणसी १९९६
- ◆ आठवले, सुभाष; पाली भाषा साहित्य व व्याकरण; सन्मति प्राच्य शोध संस्था, सदर, नागपुर २००५
- ◆ Lily de Silva; Pali Primer; Vipassana Research Institute, Dhammagiri, Igatpuri,1995
- ◆ M. Winternitz; History of Indian Literature Vol.II; Bhartiya Vivdya Prakashan, Delhi, 1985

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुण विभागणी

| अ.क्र.       | प्रश्नांचे स्वरूप                  | गुण |
|--------------|------------------------------------|-----|
| प्रश्न क्र.१ | भाषांतर करा (२/३)                  | १२  |
| प्रश्न क्र.२ | संदर्भ (३/४)                       | १२  |
| प्रश्न क्र.३ | दिर्घोत्तरी प्रश्न (२/३)           | १२  |
| प्रश्न क्र.४ | वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अ-६/८), (ब-६/८) | १२  |
| प्रश्न क्र.५ | संक्षिप्त टीपा लिहा ४/५            | १२  |
| एकुण गुण     | --                                 | ६०  |

द्वितीय सत्र  
Semester-II

PAL-G-111 पालि पुष्पं  
Paper Code- 3112223821

पुस्तक- खुद्दकनिकाय;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५

अंतर्गत मूल्यमापन

- ◆ प्रत्येक विद्यार्थ्यांचे मूल्यमापन एकूण शंभर गुणांमध्ये होईल. त्यामध्ये साठ(६०) गुणांची विद्यापीठ परीक्षा होईल तर
- ◆ अंतर्गत मूल्यमापन हे ४० गुणांचे असेल.

अभ्यासक्रमाची उद्दिष्ट्ये :-

- ❖ सदर अभ्यासक्रम पद्य व गद्य या वाङ्मयप्रकाराची ओळख करुन देणारा असून त्यासोबतच लेखन, वाचन, मनन, चिंतन, संवाद इत्यादी कौशल्यांचा परिचय करुन देणारा आहे.
- ❖ सदाचारी मन व दुराचारी मनाची विद्यार्थ्यांना ओळख करुन देणे व त्याचे विश्लेषण करुन ते स्पष्ट करणे.
- ❖ अरियो अट्टुङ्गिको मग्गो व चत्तारि ब्रह्मविहार ची विद्यार्थ्यांना ओळख करुन देणे व त्याचे विश्लेषण करुन तो स्पष्ट करणे.
- ❖ त्याग, संयम, सदाचार, नीती, मानवता इत्यादी सद्गुणांची वृद्धि करण्यास विद्यार्थ्यांना प्रोत्साहन देणे
- ❖ विद्यार्थ्यांच्या मानस पटलावरुन अज्ञान, अंधश्रद्धां, अफवा इत्यादिना दूर करणे व त्यांच्यामध्ये विज्ञानवादाचे बीजारोपण करणे.

घटक विश्लेषण- एकूण श्रेयांक (Total Credit) =03

| अ.क्र.<br>(Sr. No.)   | घटक (Unit)   | श्रेयांक(Credit) =3 | घड्याळी तासिका<br>(Clock hour)=45 |
|---|--|---------------------|-----------------------------------|
|   | <b>Text</b>  |                     |                                   |
| १   | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ चित्तवग्गो</li> <li>■ राहुल पब्बज्जा</li> <li>■ सीलविमंसनजातक</li> <li>■ पटाचाराथेरीगाथा</li> <li>■ बावेरुजातक</li> </ul>   |                     |                                   |
|   | <b>Grammar</b>   |                     |                                   |
| २   | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ सर्वनाम व सर्वनामाचे प्रकार</li> <li>■ काळ व काळाचे प्रकार</li> <li>■ विभक्ती व विभक्तिचे प्रकार</li> </ul>   |                     |                                   |
|   | <b>Introduction</b>  |                     |                                   |
| ३   | <ul style="list-style-type: none"> <li>■ आचरियो बुद्धदत्त</li> <li>■ आचरियो बुद्धघोस</li> <li>■ आचरियो धम्मपाल</li> <li>■ चत्तारो ब्रह्मविहारा</li> <li>■ चत्तारि अरियसच्चानि</li> <li>■ अरियो अट्टडिग्गो मग्गो</li> </ul> |                     |                                   |
| एकूण श्रेयांक व घड्याळी तासिका (Total Credits & Clock hour) |  | 3                   | 45                                |

## संदर्भ ग्रंथ:-

- ◆ गोयंका, स.ना.;थेरीगाथापालि;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ गोयंका, स.ना.; धम्मपदपालि;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ गोयंका, स.ना.;विसुद्धिमग्गो;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ उपाध्याय भरतसिंह.;पालि साहित्य का इतिहास;हिन्दि साहित्य सम्मेलन, प्रयाग १९९४
- ◆ गोयंका, स.ना.;जातक;विपश्यना विशोधन विन्यास,धम्मगिरी, इगतपुरी १९९५
- ◆ बालावतार; पालिव्याकरण; बौद्धभारती प्रकाशन, वाराणसी १९९६
- ◆ आठवले, सुभाष; पाली भाषा साहित्य व व्याकरण; सन्मति प्राच्य शोध संस्था, सदर, नागपुर २००५
- ◆ Lily de Silva; Pali Primer; Vipassana Research Institute, Dhammagiri, Igatpuri,1995
- ◆ M. Winternitz; History of Indian Literature Vol.II; Bhartiya Vivdya Prakashan, Delhi, 1985

### प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुण विभागणी

| अ.क्र.       | प्रश्नांचे स्वरूप                  | गुण |
|--------------|------------------------------------|-----|
| प्रश्न क्र.१ | भाषांतर करा (२/३)                  | १२  |
| प्रश्न क्र.२ | संदर्भ (३/४)                       | १२  |
| प्रश्न क्र.३ | दिर्घोत्तरी प्रश्न (२/३)           | १२  |
| प्रश्न क्र.४ | वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अ-६/८), (ब-६/८) | १२  |
| प्रश्न क्र.५ | संक्षिप्त टीपा लिहा ४/५            | १२  |
| एकुण गुण     | --                                 | ६०  |

### समकक्ष अभ्यासक्रम

| अ.क्र. | जुना अभ्यासक्रम | नविन अभ्यासक्रम |
|--------|-----------------|-----------------|
| १      | खुद्दकनिकाय     | पालि पुष्पं     |

अध्यक्ष

प्राचीन भारतीय भाषा तदर्थ अभ्यास मंडळ